



## उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

22909



Figure 1d

प्राप्ति वाले की बनारसी-	रुप 2,00,000/-
उत्तरक गुल्मी -	रुप 5,32,000/-
अद्य लिंग पर्यं दग्धनल स्टैम्प-	रुप 33,300/-

- |    |                       |   |                             |
|----|-----------------------|---|-----------------------------|
| १. | भूमि जा इयरा          | - | कृषि                        |
| २. | गणना                  | - | साइनक                       |
| ३. | धारा                  | - | आपालाई                      |
| ४. | स्वास्थ्य वा चिकित्सा | - | भूमि कला संख्या प्रति रुपाई |

卷之三

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

0 दशा ट्रॉफेटर वा 15/189 फाल  
हजार 5,000 रुपये अलौत 350  
ट्रॉफेटर बिला उम सुनामल  
वर्षा वा छोड़ी वा बिला  
सामाजिक।

- |    |                          |   |
|----|--------------------------|---|
| १. | माला की इकाई -           | छांगीला   |
| २. | राष्ट्रपति का संप्रतास - | 150 रुपयीटर   |
| ३. | महाराज की लिपि -         | मुलायान्त्र लेड व अम्बलोही एवं<br>मे तामाचा 200 रुपये से अधिक |
| ४. | सम्पादित आ इकाई          | पाँथ  |
| ५. | पेटा की लिपि             | नहीं  |
| ६. | बोरिंग/ कुमा ऊना         | कुछ भी नहीं है।   |

१५०।५५०।५००

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹ 5,000

Rs.5000

पाँच हजार रुपये

**FIVE THOUSAND RUPEES**

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



वैदिक वाचना नं 302

प्रकाशन संख्या - २०८

प्रिय : विद्या नं-५८६

卷之三

**प्राप्ति** : असाधन-प्राप्ति

Digitized by srujanika@gmail.com

### विदेश पक्ष की जाति-

प्रिया राजेश

हमारा का विभरण

**स्थानिक प्रश्न विषयी**

अंकता प्राचीनकालीन एवं

— शाम— अमृतसर, पंजाब

ବ୍ୟାକାର୍ତ୍ତମାନ ଲିପି ସଂଗ୍ରହକାଳୀ

प्राचीन विद्या

आक्रिस ११५ अदालत भवन,

## संस्कृतम् ।

१६. कर्कुता गाडी वा०, नम

दिल्ली-11001, कलानि ५०

Digitized by srujanika@gmail.com

10. The following table shows the number of hours worked by 1000 employees in a company.

1990-1991

1000 1000 1000 1000 1000 1000 1000 1000 1000 1000

卷之三

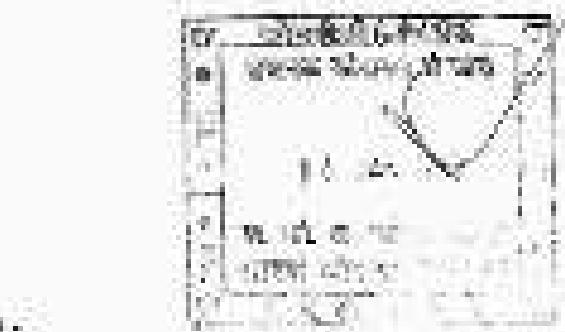
—  
—

• 10 •

www.PDF-XChange.com



## उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



	आहोत्तमाऽन्तिष्ठित विलिंग, 13. कथा। प्रशाप मार्ने, लक्षणकृ द्धरा। अधिकृत हस्ताक्षरी श्री अंगिका इसाद हिंदैठी पुजा श्री मेनी। प्रसाद हिंदैठी वर्गान ॥ स्थायी कला वाहत्तमाऽन्तिष्ठित विलिंग, 13. कथा प्रशाप गार्ग, लक्षणकृ
प्रशापन- सुवि	लक्षणाप्य लाघव, नानारी

यह विकाय विस्तृत हनोमान पुरुष जीवा निरासी-शास्त्र-अध्यागामक, परमाना राहगील ए विज्ञा, लक्षणात्म जिन्हों आ

heat properties =  $\frac{1}{2} \rho C_p$   $\Delta T$

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

Rs.5000

पाँच हजार रुपये

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

मिलना जहा गया है एवं अंकल यागलीज एवं इनकास्ट्रोवर  
लिंग रजिस्टर्स आफिल 115, वसुल गवान, 15, बन्दुरवा गाड़ी  
मार्ग नं. ११ डिल्ली-११०००१, इन्दिरागंग पटा नाईट्रोजनसी-१२०  
डिल्ली, १३, राणा चत्ताप मार्ग, लखनऊ द्वारा अधिकृत  
कुसाकरी भी संविका पक्षाद डिवेल्ड मुज भी बेनी इसाद  
हिमेही नवीन व स्थायी गता एक्स्प्रेसी-१२० डिल्ली, १३,  
राणा चत्ताप मार्ग, लखनऊ जिल्हे जारी केता बढ़ा गया है एवं  
अब लिमिटेड बिगा गया।

रुपये 5000/-

प्रशासनिक विभाग  
उत्तर प्रदेश सरकार

नारायण गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000

Rs.5000

पाँच हजार रुपये

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-6-

इस दिनिका भूमि जल्दा राजा १०२ व्यवा १०८ उत्तर  
पा १४/१३० नाम इका १०५५ हें अस्ति १०५ कोशीहन सिक्का  
राज आजमल गलाम, लहरीह ए चिल लक्ष्यक को मालिक,  
कमिल ए कमिल ६ रुपा लक्ष्यक चलावित अद्यवित तथा  
जल्दी को लंगा ००११८ से अनुकास भूमि दिक्षेता के नाम  
लक्ष्यकोष दृष्टिकोष से क्षय में दबे हैं और दिक्षेता के नाम का अन्तर  
इक्ष्यक राजराज उभिसेहो में हो गया है और विदेशा को जान दूरी  
दिक्ष्य करने का नाम उभिसर प्राप्त है। दिक्षेता अपना सम्पूर्ण

दिक्षेता द्वारा

दिक्षेता द्वारा



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

285425

हिन्दू भेद और हुनर लिखने विस्तृत इतना लिखन कर रहा है फिरकेर  
उपरोक्त शास्त्रों में दी जाएँगी। तभीमें ये उद्दिष्ट हैं। एवं तभीमें  
शास्त्र में दृष्टि धूमि कृषि धूमि है और ताप्ति धूमि सराहना धूमि का  
हिस्सा नहीं है। ताप्ति धूमि सीलिंग से पटटे की नहीं है। यह नि-  
श्चिन्ना तद भोग्यित करता है जि उपरोक्त वर्णित धूमि रामी प्रबाहर के  
महीं से मुक्त रथ यात्रा में साक है तथा बिना ने उसे बता भित्ति  
से पूरी बही रथ हिता वित्ती या अनुष्ठित प्रत्यादि गहीं लेता है  
विकला में तुम्हरे धूमि तर धूमि अप्त या कन्द्र यात्रार ता बोडे त्वय



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

136335d

कही जिता है। लेकिन कोई ऐसा अन्य वर्णिक ने शिक्षाता है ही उसके विप्रवाद विद्वान् ने उसके वर्णिकान् व विधिक चलनाविधि नीचे देखे। वर्षरोगा भूते या तासाता विद्व भाग जिसी व्यायामपूर्वक राहगीरी व्यायामी के अन्तर्गत विद्वान् का वस्तु विद्व नहीं है जो उक्त व्यायामिता है। विद्वा के अलावा उक्त गुण में किसी अन्य व्यक्तिको उस लक्ष्य, इस पर दाता इत्यादि नहीं है। एवं विद्वा वह उक्त विकार अन्तरण करने का एक अधिकार माना है। अग्रह उपरोक्त लक्ष्यित के वास्तविक विद्व लक्ष्य रुप 2,00,000/- की

卷之三

नाइटीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये  
₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES  
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

॥ ३६ ३४५

प्रारंभिक से विसाला उपरोक्ता गवाह द्वारा डिक्टेट की इस लिखित में  
अल्प गे ने गई अनुसूची गे अधिनि चिपि के अनुमान छाताम कर  
दिया जात हे एवं लिखिती प्रारंभ लो लिखेता गवाह स्वीकरन दलती है  
गवाहानुसूचन उपर लिखेता उत्तर करा के द्वारा उपरोक्ता अधिनि भूमि  
विसाला लिखित प्रद लिखित लिखेता के अल्प गे अनुसूची के कलार्थी  
दिया जात है, को कलार्थी बोल दिया है, एवं डिक्टेटा ने डिक्टप्रृष्ठा भूमि  
कर याँको पर कलार्थी लिखा जो कलार्थी करा दिया गया है। अब उपरा  
शासार्थी पर विद्वाना जला उपर के वारिसान जो लोहे अधिकार जाती है।

रु. 1000.00/-



महाराष्ट्र गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये  
₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES  
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

0 36 1566

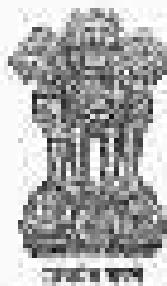
विक्रेता ने विकल्पग्रन्थ रामेश को अपने स्वामित्र एवं राजस्व अधिकारी द्वारा बुखारी व लंबटा द्वारा लिए कर्ता द्वारा दर्भासाहित्य का दिया है। अब वेता विकल्पग्रन्थ संधित्रित एवं उभयं प्रारंभिक ग्रन्थ द्वारा उपने एवं बाहर स्वामित्र न अस्वीकृत व इन्हें दर्भासाहित्य के लिए भारत एवं दुर्गवीण व लम्पोव छोड़ने। विक्रेता व विकल्पग्रन्थाधिकारी की दुर्घात द्वारा अपने अपने विकल्पग्रन्थ की अद्वितीयता आदि नहीं छल मालगे एवं वे द्वारा दर्भासाहित्य व लम्पोव छोड़ दिया गया। विक्रेता व विकल्पग्रन्थाधिकारी की दुर्घात द्वारा अपने अपने विकल्पग्रन्थ की अद्वितीयता आदि नहीं छल मालगे एवं वे द्वारा दर्भासाहित्य व लम्पोव छोड़ दिया गया।

द्वारा ! द्वारा !

द्वारा ! द्वारा !

एक सौ रुपये

रु. 100



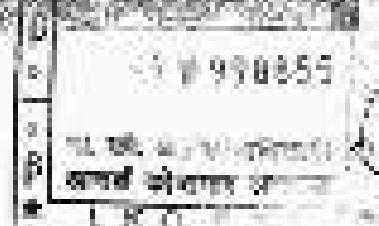
Rs. 100

ONE

HUNDRED RUPEES

भारत INDIA  
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

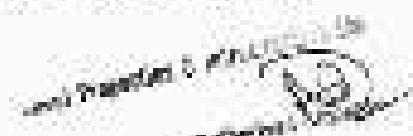


-11-

इस अंक नंबर का यह रुपये विभान निधानकाम बालादि के  
डिप्टी द्वारा अधिकार द्वारा से भेजा जाएगा या इस उन्होंने  
विभान निधानकाम हालांकि वह इक बीमा विवर अपन  
समलै गुणवान् मात्रों व लाभ विवेता नहीं चल अमल वापरित  
हो जाए वह उन्हें उपलब्ध नहीं है। इस विवरों ने विभान द्वारा उनके  
गांतजान हरी रंगी देने देखा जाए गोपा।

यह विवर बटे थे दोषित 1900 रु. विवर शून्य  
लाभनुक विभान अधिकार लालकल जल 4240 विवान एवं

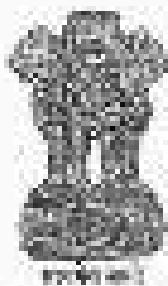
खंड 100 रुपये



भारतीय नौर न्यायिक

एक सौ रुपये

रु. 100



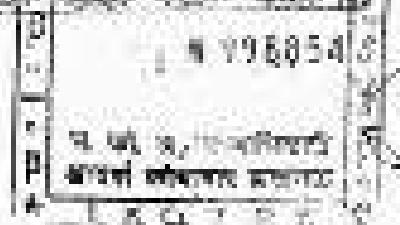
Rs. 100

ONE

HUNDRED RUPEES

भारत INDIA  
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



विकास परिषद, उत्तरप्रदेश अम्ब लिंगी की सरकारी अधिकारी हैं।  
उन्होंने इस दस्तावेज़ की गवाई है और यह एक अधिकारी है।

इस दस्तावेज़ का उत्तरप्रदेश सरकार की राजिका दाखिल राजदर  
मामिलोंमें मामिले का नाम है। यह दस्तावेज़ को कोई उपलेख न  
होगा और यह कि इस विभाग के पूर्ण जा सकते कोई उपलेख  
कोली नहीं कर सकते। इस दस्तावेज़ का लोगों द्वारा उपलेख  
कुलालम या उच्च दरवाज़ा, लोडोला या योग्य आवधि = होगी।

हृषीकेश देव

अधिकारी

यह कि उपरोक्त लासर नम्बर शाम लकड़ामुक्क जंगलगारील  
सेव को अतिलिंगिष्ट दाम के अन्तराल आता है चूंकि भूमि 6 विस्ता  
से कम है इसलिए नियंत्रित आवासीय सरवित रेट ₹ 1400/-  
प्रति वर्गमीटर ने दिलाने जे नियंत्रित भूमि 360 वर्गमीटर की मालिकता  
₹ 32,000/- होती है चूंकि सिल्वर मूल्य भूमि की मालाल मूल्य से  
कम है इसलिए नियंत्रित वाजाल मूल्य पर ही ₹ 53,200/-  
जनसहा रद्दाग अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विकल्प भूमि  
कुपि के उपयोग के लिए उप की जा रही है। भूमि मे गोदू पेड़,  
झासान आदि नहीं है तथा दिली प्रकार की आवासीय गतिविधियाँ  
नहीं चल रही है व कोई नलकुप, कुआ भी नहीं है तथा 200 मी.  
के अंदराज मे गोदू निमांग नहीं है विकोत गुणि किसी लिंक नाम,  
शाखाएँ व जनपदीग भाने पर स्थित नहीं है। विकोत भूमि  
मुहरानामुख रोड से ग दानर शाहीप पर तो लगभग 200 मीटर से  
अधिक दूरी पर स्थित है। विकोत जनुसूचित जाति अव्याधि अनुसूचित  
जनजाति का सदस्य नहीं है। इस विकोत पिलोदर के निवासन का  
समस्त व्यष्ट केवल प्राची वहन किया जाया है।

लिहाजा यह गिर्लग पत्र गिलोता ने कैसा के पत्र में बिना गिर्ली स्वीर व दबाव के स्वरूप गिर्ला मन से जमज्जा गदाड़ान लिए दिया चाहि ज्ञान रहे और उक्त जमज्जा बदलने पर आम जावे।

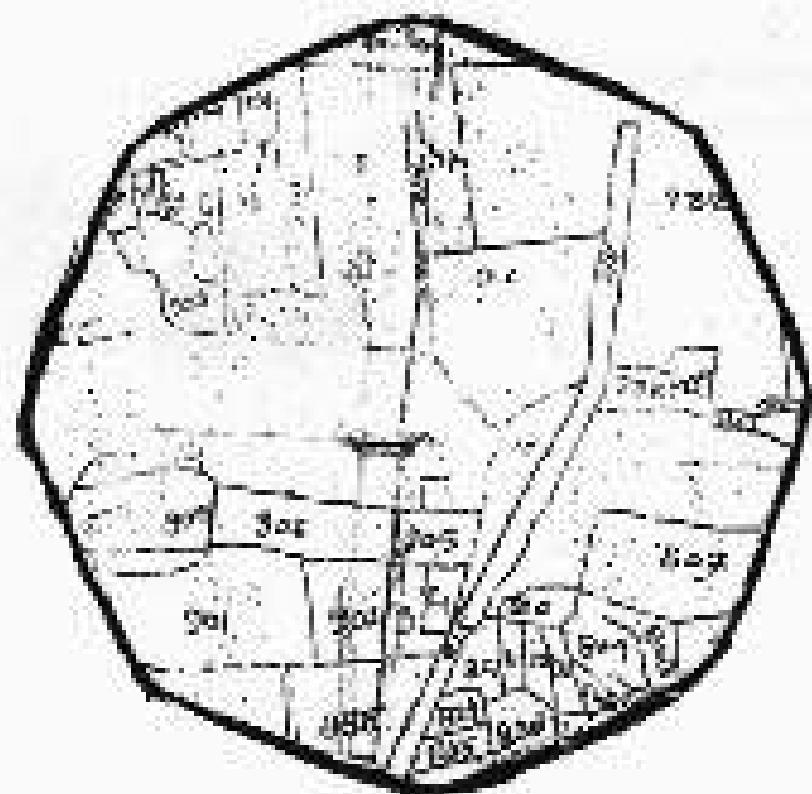
## परिशिष्टः भूगताम् विवरणः



ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

## બ્રહ્માણ ને એ વિષય

ପ୍ରକାଶ କରିଲୁ, କମଳିଲ ଏ ବିଜୟ-ଲକ୍ଷ୍ମୀ



12/2017

It's all about you

29

३०१

Registration No. ६३०

Date : २०३८

Book No.

संगीत एवं रसोयन कलाकार संस्था  
सिंहासन राज्यकालीन त्रिवेदी विद्यालय  
१० अप्रैल १९७५  
संगीत एवं रसोयन  
कालीन



1 विकेता को ₹ 2,00,000/- द्वारा चेक संख्या-८७५३८४  
दिनांकेत 21.01.2009 ਪੰਜਾਬ ਨੈਸ਼ਨਲ ਬੈਂਕ ਲਖਤਗਿਆ  
ਲਖਨਊ ਕੇਤਾ ਦੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੈ।

हम पक्का निवेदा को कुल शेषग्र मूला 200,000/- (तिथ्यादी लाख रुपये) केरा के पास तुर जिसकी पार्थि निवेदा ठीकाकर करते हैं तथा अब कोई भी शन्तसंघ निवेदा को नेता से लेना शेष नहीं है।

देवी शिवा

200

दिनांक : 21.01.2005

**गवाह —|** कोटा की पहचान की

१ श्री वृषभदेव महाकाल

四

## २ केंद्रीय पहचान की

Digitized by srujanika@gmail.com

五

(मोन्टे कृष्ण)

सिविल कोर्ट लखनऊ

महाराष्ट्र

四百九

(निश्चिक कुमार लिख)

四百四

किंविल फॉर्ट लखनऊ

**Photo**

Registration No. 621

Year : 2008

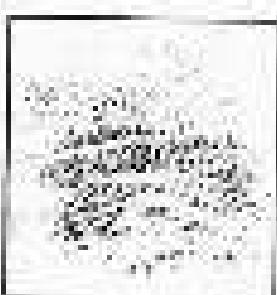
Book No.

001 श्रीमद्भगवद्गीता

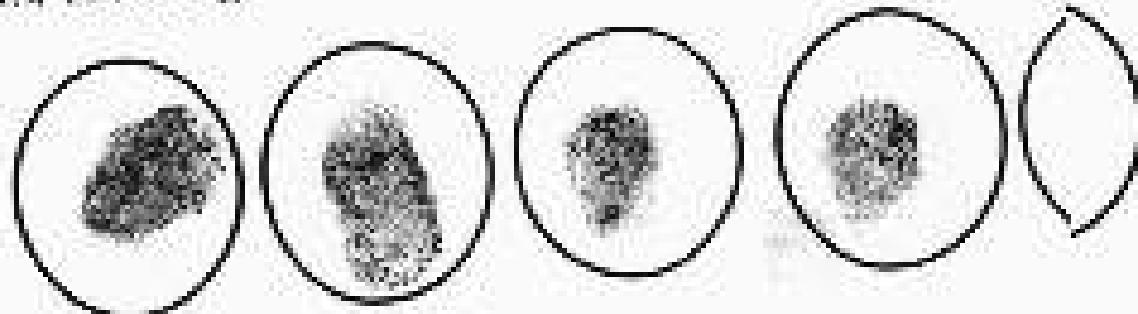
४०

संस्कृत अनुवाद

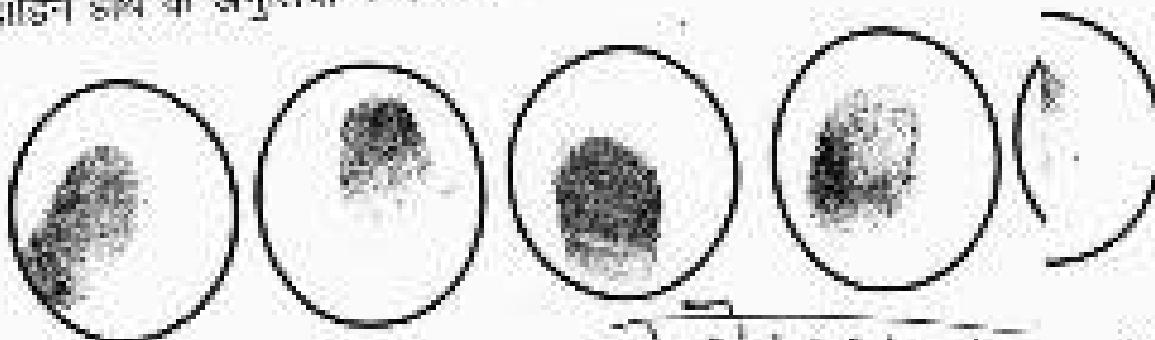
२५



राजिरहे शन अधिक 1940 की तारा—32 रु के अनुग्रहन हैं। प्रियों  
प्रस्तुतानी/प्रियेन्ट। का नाम र. पटा—कनोफांग पुन जोधा निवासी—  
परमाना उड़सील व जिला, लखनऊ।  
इसे छाप के आगुलियों के लिए—

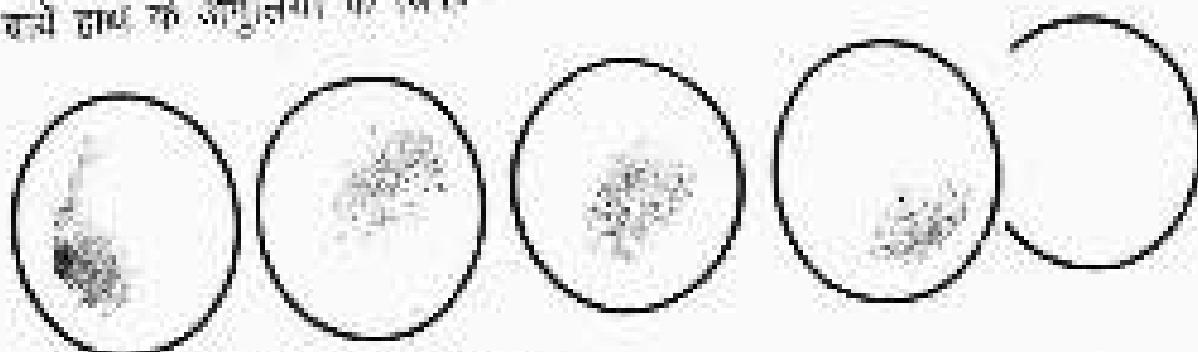


वालिने छाप के अगुलियों के लिए—

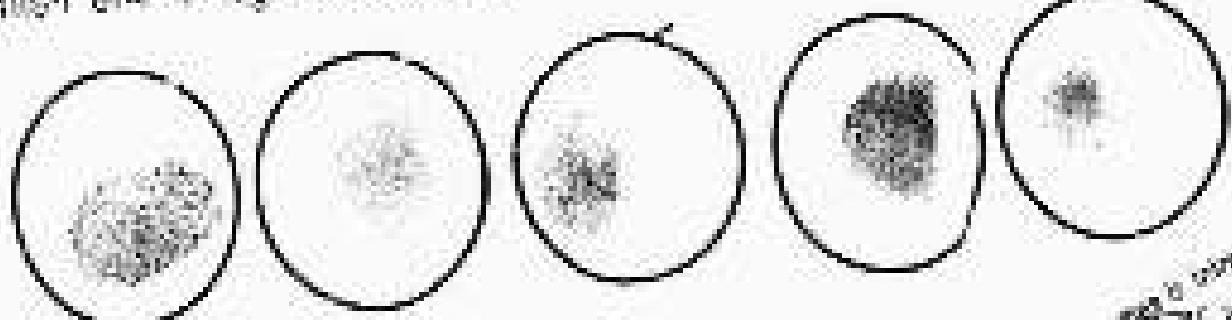


हैली ! मैली ! ता के डरतार  
प्रियेन्टी गर्भानि ॥

क्रेता का नाम र. पटा— श्री आदिकाम प्रसाद (प्रियेन्टी) पुन जी वै-प्रियेन्टी गर्भानि  
स्थानी पटा नार्दुल्लभउसीरण गिलिङा, १३, रामाप्रसादपाल नाम, लखन  
उये छाप के आगुलियों के लिए—



वालिने छाप के अगुलियों के लिए—



प्रियों को धन्यवाद  
प्रियों को धन्यवाद

१०९ रु

८५

२२०।।

२२०।।

२२०।।

एम.एस.पाल

ज्येष्ठनाथ (जितेन)

लखनऊ

२७/१२/१९४६